उल्लेखनीय तथ्य
Highlights

वर्ष के लिए FOR THE YEAR	2007-08	2008-09	परिवर्तन प्रतिशत में % change
कुल आय (करोड़ रुपए) Total Income (Rs. crores)	57,645	76,479	32.67
कुल व्यय (करोड़ रुपए) Total Expenditure (Rs. crores)	44,538	58,564	31.49
निवल लाभ (करोड़ रुपए) Net Profit (Rs. crores)	6,729	9,121	35.55
प्रति शेयर अर्जन (रुपए) (मूल) Earnings per Share (Rs.) (Basic)	126.62	143.77	13.54
औसत परिसंपत्तियों पर आय (%) Return on Average Assets (%)	1.01	1.04	2.97
ईक्विटी पर आय (%) Return on Equity (%)	17.82	15.73	(-) 11.73
प्रति कर्मचारी लाभ (रुपए हजार) Profit per Employee (Rs. thousands)	372.57	473.77	27.16

वर्ष की समाप्ति पर AT THE END OF	मार्च March 2008	मार्च March 2009	परिवर्तन प्रतिशत में % change
संदत्त पूंजी और आरक्षितियां एवं अधिशेष (करोड़ रुपए) Paid-up Capital and Reserves & Surplus (Rs. crores)	49,033	57,948	18.18
जमाराशियाँ (करोड़ रुपए) Deposits (Rs. crores)	5,37,404	7,42,073	38.08
अग्रिम (करोड़ रुपए) Advances (Rs. crores)	4,16,768	5,42,503	30.17
देश स्थित शाखाओं की संख्या Number of Domestic Branches	10,186	11,448	12.39
विदेश स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या Number of Foreign Branches/Offices	84	92	9.52
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%) बेसल-II Capital Adequacy Ratio (%) (Basel-II)	12.64	14.25	12.74
निवल अनर्जक परिसंपत्तियाँ (%) Net NPA (%)	1.78	1.76	(-) 1.12

अध्यक्ष की कलम से

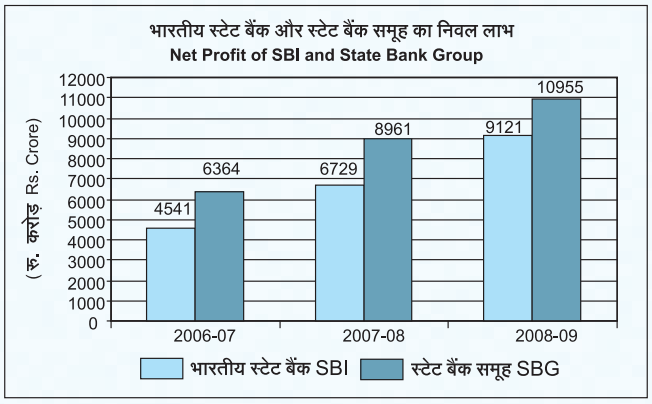

प्रिय शेयरधारको,

मैं आपके बैंक की वर्ष 2008-09 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ। मैं आपके बैंक की इस वर्ष की कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों और प्रयासों से भी आपको अवगत कराना चाहूँगा।

वर्ष के दौरान, भारत विश्व में सबसे तेज गति से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में लगातार दूसरे स्थान पर बना रहा। ऐसा घरेलू मांग के बड़े पैमाने पर बढ़ने, विशेषकर ग्रामीण भारत में, सरकारी निवेश, वित्तीय सेवा क्षेत्र में स्थिरता, मुद्रास्फीति की दर में गिरावट और अनेक मोर्चों पर शीघ्रता से किए गए समन्वित नीतिगत उपायों के कारण संभव हुआ। हालांकि वर्ष के दौरान विश्व का आर्थिक परिदृश्य सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण रहा। इसका कुछ प्रभाव वर्तमान वर्ष में भी दिखाई देगा, पर आज के वैश्वीकरण के दौर के बावजूद भारत पर इसका बहुत ज्यादा असर नहीं होगा। अलबत्ता इससे औद्योगिक उत्पादन, जीडीपी विकास दर और निर्यात अवश्य कुछ प्रभावित हुए हैं।

हमारा मानना है कि बृहत्तर आर्थिक क्षेत्र का सबसे बुरा दौर गुजर गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दिखाई देने लगे हैं। सीमेंट, स्टील, परिवहन, दूरसंचार, बैंकिंग और उपभोक्ता वस्तु जैसे क्षेत्रों में विकास की प्रवृत्ति लौट रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती मांग का विगत वर्ष में अर्थव्यवस्था के विकास में मुख्य योगदान रहा था। वर्तमान वर्ष में भी विकास दर बढ़ाने में इसकी भूमिका रहने की संभावना है। केंद्र में एक नई, स्थिर सरकार बन जाने से जीडीपी की विकास दर 2009-10 में 7% से ऊपर रहने की उम्मीद है।